भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2331

उत्तर देने की तारीख-15/12/2025

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र

†2331. डॉ. बायरेड्डी शबरी:

श्री जी. लक्ष्मीनारायण:

डॉ. कलानिधि वीरास्वामी:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में तीन उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) की स्थापना की वर्तमान स्थिति क्या है और मेजबान संस्थानों, स्थानों, स्वीकृत निधि और संचालन की समय-सीमा का ब्यौरा क्या है;

(ख) प्रत्येक उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत अब तक स्वीकृत या अनुमोदित अनुसंधान परियोजनाओं, प्रायोगिक परियोजनाओं या नवाचारों की संख्या कितनी है और इनका ब्यौरा क्या है तथा प्रत्येक परियोजना के उद्देश्य क्या हैं;

(ग) इन उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से क्षेत्र में कार्यान्वित की जा रही किसी भी प्रायोगिक परियोजना या एआई समाधान का ब्यौरा क्या है और प्रत्येक प्रायोगिक परियोजना के कार्यान्वयन का स्थान क्या है, प्रदत्त वित्तपोषण कितना है तथा वर्तमान स्थिति क्या है;

(घ) क्या आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु सहित राज्य सरकारों की ओर से नए उत्कृष्टता केंद्रों, अतिरिक्त वित्तपोषण या उद्योग-अकादमिक सहयोग के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ.) एआई अनुसंधान, नवाचार, स्टार्टअप इनक्यूबेशन और कौशल विकास को बढ़ावा देने के विशेष संदर्भ में इन उत्कृष्टता केंद्रों के उद्देश्य क्या हैं, वित्तपोषण संरचना क्या है और अपेक्षित परिणाम क्या हैं;

(च) क्या सरकार ने समावेशी तकनीकी विकास सुनिश्चित करने के लिए शैक्षिक और आर्थिक रूप से पिछड़े जिलों में एआई उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता का आकलन किया है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं; और

(छ) सरकार का तमिलनाडु जैसे राज्यों में इन एआई उत्कृष्टता केंद्रों द्वारा रोजगार सृजन, पाठ्यक्रम आधुनिकीकरण और क्षमता निर्माण में योगदान दिया जाना सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए जाने का विचार है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (छ): भारत सरकार ने केंद्रीय बजट 2023-24 में घोषणा के बाद स्वास्थ्य, दीर्घकालिक शहरों और कृषि के क्षेत्रों में "भारत में एआई बनाना और एआई से भारत के लिए कार्य कराना" के दृष्टि के भाग के रूप में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में तीन उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना की है। इन एआई-सीओई का नेतृत्व क्रमशः आईआईएससी बैंगलोर, आईआईटी कानपुर और आईआईटी रोपड़ कर रहे हैं। तीन एआई-सीओई के लिए कुल बजट परिव्यय 990 करोड़ है।

इस विजन को आगे बढ़ाने के लिए, केंद्रीय बजट 2025-26 में, 500 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ शिक्षा के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में एक नए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की घोषणा की गई थी, जिसकी स्थापना आईआईटी मद्रास में की गई है।

प्रत्येक एआई-सीओई उद्योग भागीदारों और स्टार्टअप आदि के साथ अग्रणी शैक्षिक, अनुसंधान संस्थानों का एक संघ है। एआई-सीओईएस प्रमुख संस्थान और अन्य शैक्षणिक संस्थानों जैसे एम्स दिल्ली और पटना, दिल्ली में आईआईटी, मद्रास, बॉम्बे, गुवाहाटी, हैदराबाद, गांधीनगर और तिरुपति; कालीकट, मेघालय और हमीरपुर में एनआईटी; आईआईआईटी हैदराबाद; आदि के बीच एक सहयोगी प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है।

इन सीओई ने अपने क्षेत्रीय फोकस के साथ संरेखित कार्यनीतिक पहल की है। दीर्घकालिक शहरों के लिए एआई-सीओई ने दिल्ली में स्वच्छ वायु निगरानी और सूरत के लिए एआई-आधारित यातायात तथा बाढ़ की भविष्यवाणी शुरू की है। इसके अलावा, नगरपालिका सेवाओं को सुव्यवस्थित करने और नागरिक फीडबैक, सेवा अनुरोधों और शहरी प्रबंधन को एक प्रणाली में एकीकृत करने के लिए कानपुर में एक डिजिटल नगर पालिका शासन मंच का संचालन किया गया है। स्वास्थ्य देखभाल के लिए एआई-सीओई के तहत, मौखिक और स्तन कैंसर, रेटिनल रोग और मधुमेह जैसी विभिन्न पुरानी बीमारियों का पता लगाने पर एआई उपकरण विकसित करने के लिए परियोजनाएं शुरू की गई हैं। कृषि के लिए एआई-सीओई ने स्वचालित मौसम स्टेशन तैनात किए हैं।

*****